

6

18/20 पत्रावली पेश हुई। उच्च न्याय विधिक पीठासीन अधिकारी... में होने से पत्रावली पूर्व आदेश की पालना से आयन्दा दिनांक 15/7/20 को पेश हो

15/20 पत्रावली पेश हुई। उच्च न्याय विधिक... से पत्रावली आयन्दा दिनांक 20/7/20 को पेश हो

30/8/20 पत्रावली पेश हुई। उच्च न्याय विधिक... से पत्रावली आयन्दा दिनांक 20/8/20 को पेश हो

20/8/20 पत्रावली पेश हुई। उच्च न्याय विधिक... से पत्रावली आयन्दा दिनांक 16/9/20 को पेश हो

16/20 पत्रावली दिनांक 1 से 6 व 12 से 17 के जवाब देते दि. 31/10/20 को पेश हो

7/10/20 पत्रावली पेश हुई। उच्च न्याय विधिक पीठासीन अधिकारी... में होने से पत्रावली पूर्व आदेश की पालना से आयन्दा दिनांक 21/10/20 को पेश हो

21/10/20 उच्च न्याय विधिक दिनांक 1 से 6 व 12 से 17 के जवाब देते दिनांक 31/10/20 को पेश हो

15/20 पत्रावली पेश। उच्च न्याय विधिक जायज के जायज का जो 25 राजा कारतकारी के लिए का केवल करके पर पाया कि जायज 5RT. कंपनी के लिए यदि खसरा नंबर 141, 142, 143, 144 पर जाने जाने के लिए उच्च विद्या में कमीती से स्थिति राजस्व रेकॉर्ड में दर्ज खसरा नंबर 155 में मुठ रास्ता पर जायज का संख्या 1 से 17 5RT ही गई वारा. ही 15 के केवल करके



दृष्टान्त व रजकावर न डाले जाने
का कथन किता है।

— युक्ति 1/5 25/ राजकार्यकारी
विधि 0 के तहत राजस्व रेकर्ड के फर्ज एवं
मौजा पर स्थित रास्ता पर के कालिखण्ड
दृष्टान्त एवं काने जाने में रजकावर न डालने
जाने संबंधित प्रकटा का सुजने का
~~विधि~~ विनाधिकार से न्यायालय के
में है।

उक्त प्रकटा का आवणधिकार
तहसीलदार न्यायालय को है।

अतः उक्त प्रकटा को सक्षम
न्यायालय में पेश करने के निर्देश
के साथ ही उक्त प्रकटा जी
कार्यवाही से ड्रॉप किया जाता है।
कार्य में फल शुभारंभ
नेत्र से कम है।


सहायक कलक्टर
बाबू-पवंत